भारत सरकार

वित्‍त मंत्रालय

राजस्‍व विभाग

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न सं. 676

(जिसका उत्‍तर बृहस्‍पतिवार, 16 अगस्‍त, 2012/25 श्रावण, 1934 (शक) को दिया जाना है)

**डीजल कारों पर उत्‍पाद शुल्‍क में वृद्धि**

**676. डा. योगेन्‍द्र पी. त्रिवेदी :**

क्‍या वित्‍त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या सरकार डीजल कारों पर उत्‍पाद शुल्‍क में वृद्धि करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्‍या कारण हैं;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान डीजल और पेट्रोल कारों की कुल संख्‍या कितनी है; और

(घ) तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है?

**उत्‍तर:**

**वित्‍त मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री एस.एस. पलानीमाणिक्‍कम)**

(क) सरकार को डीजल कारों पर उत्‍पाद शुल्‍क कर बढ़ाने के लिए अभ्‍यावेदन प्राप्‍त हुए हैं। उनकी जांच की जा रही है;

(ख) ये अनुरोध इस आधार पर न्‍यायोचित हैं कि डीजल कारें अधिक प्रदूषण करती हैं और उनमें आर्थिक सहायता प्राप्‍त डीजल की खपत होती है जिसके कारण डीजल कार उपयोगकर्ताओं को गैर इरादतन लाभ हासिल होता है;

(ग) सरकार ऐसे आंकड़े नहीं रख रही है;

(घ) भारतीय ऑटोमाबाइल विनिर्माता संस्‍था (एसआईएएम) से प्राप्‍त जानकारी के अनुसार वर्ष 2009-10, 2010-11 तथा 2011-12 में घरेलू बाजार में बेची गई पेट्रोल तथा डीजल कारों (एक साथ ली गई संख्‍या) की कुल संख्‍या क्रमश: 15.28 लाख, 19.73 लाख तथा 20.16 लाख थी।

------------